10. खुशियों की दुनिया

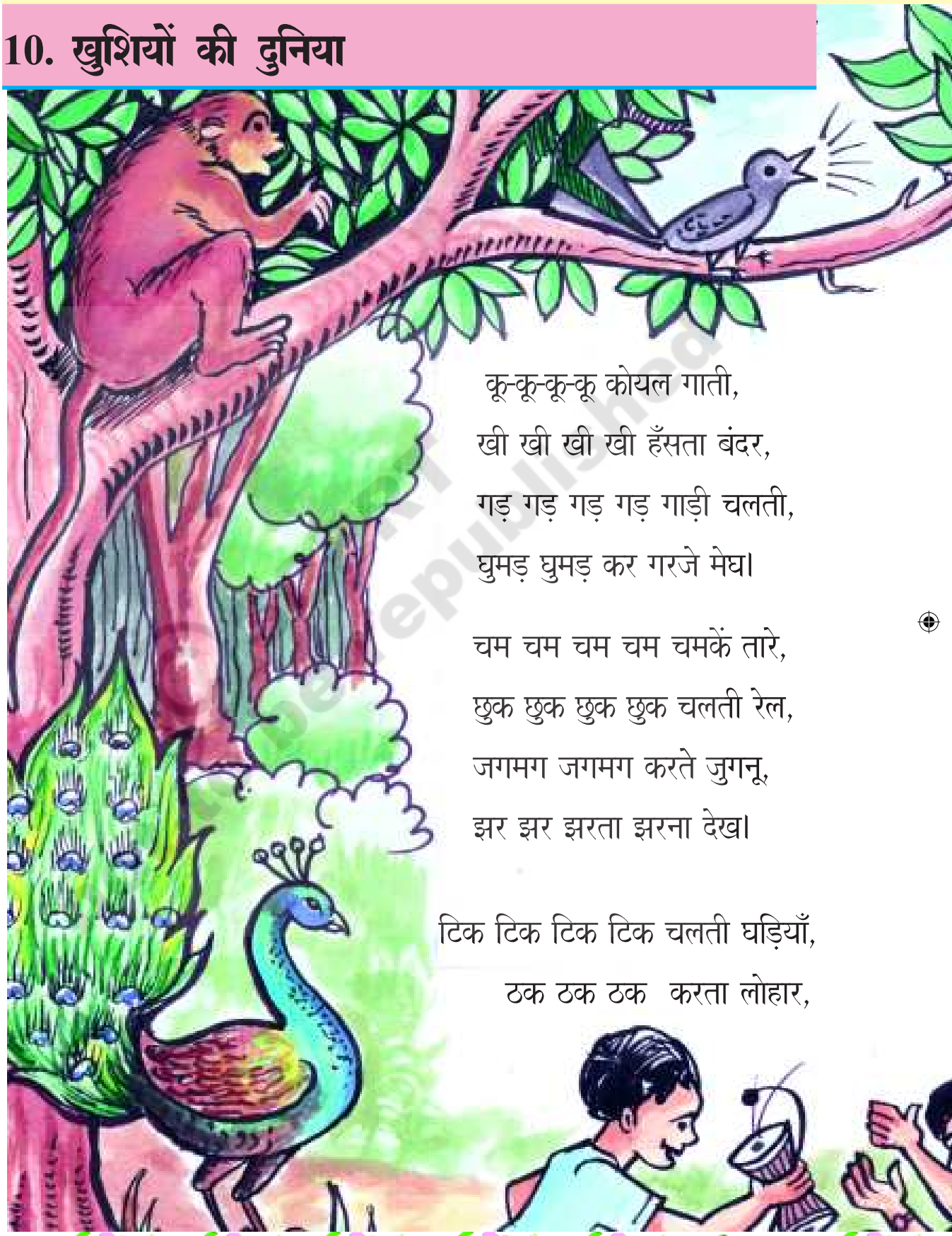

कू-कू-कू-कू कोयल गाती,
खी खी खी खी हँसता बंदर,
गड़ गड़ गड़ गड़ गाड़ी चलती,
घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

चम चम चम चम चमकें तारे,
छुक छुक छुक छुक चलती रेल,
जगमग जगमग करते जुगनू,
झर झर झरता झरना देख।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ,
ठक ठक ठक करता लोहार,

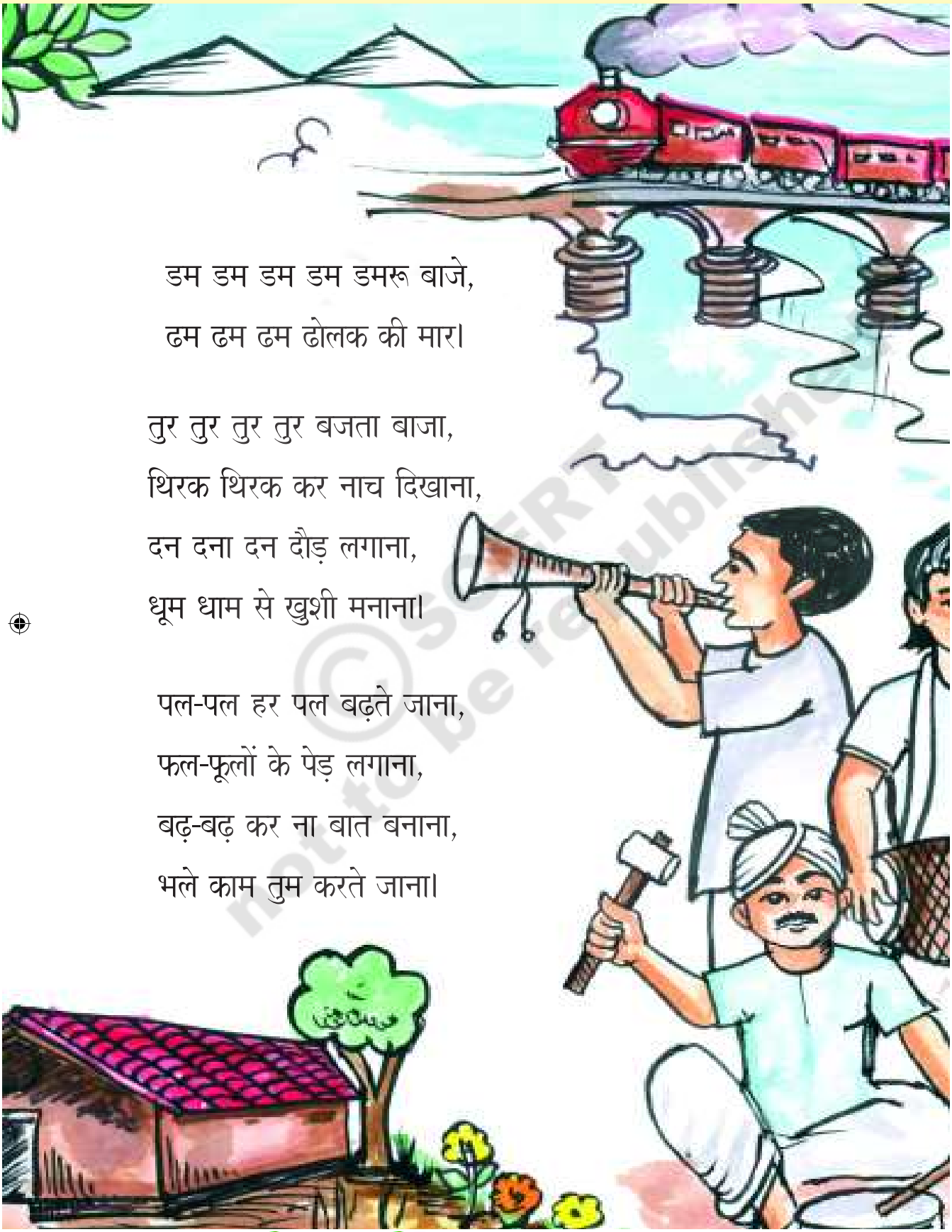

डम डम डम डम डमरू बाजे,
ढम ढम ढम ढोलक की मार।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा,
थिरक थिरक कर नाच दिखाना,
दन दना दन दौड़ लगाना,
धूम धाम से खुशी मनाना।

पल-पल हर पल बढ़ते जाना,
फल-फूलों के पेड़ लगाना,
बढ़-बढ़ कर ना बात बनाना,
भले काम तुम करते जाना।

© SCERT not to be republished

सुनो-बोलो

1. कोयल की आवाज़ कैसी होती है?
2. तुम्हारी समझ से भला काम क्या है?
3. फल-फूलों के पेड़ लगाने से क्या लाभ है?

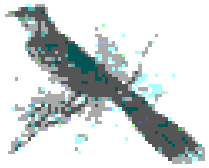

पढ़ो

(अ) जोड़ी बनाओ।

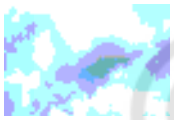

घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ।

छुक छुक छुक छुक चलती रेल।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा।

झर झर झरना बहता

खी खी खी खी हँसता बंदर

(इ) पाठ के आधार पर जोड़ो।

चम चम चम चम	कोयल गाती
डुग डुग डुग डुग	बजाता बाजा
कू कू कू कू	डमरू बाजे
गड़ गड़ गड़	चमके तारे
तुर तुर तुर तुर	गाड़ी चलती
ठक ठक ठक	करता लोहार

(उ) पढ़ो। अंतर समझो।

गड़ गड़ गड़ गड़ - डम डम डम डम
बढ़ बढ़ बढ़ बढ़ - ढम ढम ढम ढम

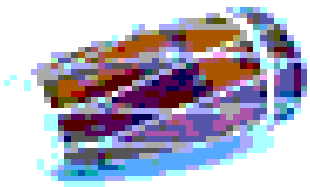

© SCERT not to be republished

लिखो

(इ) अंकों की बात

एक दो तीन चार
अच्छा करना तुम व्यवहार।
पाँच छह सात आठ
पाओगे तुम सबका प्यार।।
नौ के बाद दस है।
अब गिनती बस है।।

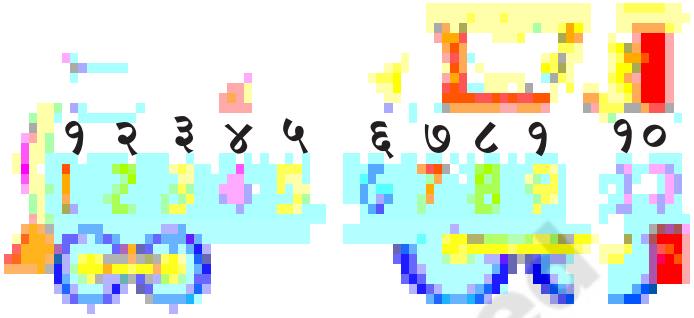

(ई) प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. 'पल-पल हर पल बढ़ते जाना,
   फल-फूलों के पेड़ लगाना।' - इन पंक्तियों के भाव लिखो।

.....

.....

.....

2. इस कविता में तुम्हारी मनपसंद पंक्तियाँ कौनसी हैं?

.....

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. चित्र के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। गीत लय के साथ गा सकता हूँ।		
2. 'अल्पप्राण-महाप्राण' वर्णों से बने शब्द व वाक्य पढ़ सकता हूँ। लिख सकता हूँ।		
3. इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता हूँ।		
4. इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished